21 Feb 22 Industry Expert talk on Digital Transformation through GIS Technology held at ICFAI University

रांची आसपास

राष्ट्रीय नवीन मेल रांची, मंगलवार 22 फरवरी 2022 02

इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में 'जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन' कैरियर के अवसर पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। इस आयोजन में वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ, श्री राजेश सी माथुर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में पूरे भारत से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, व्यक्तिगत जीवन या संगठनों में दिन-प्रतिदिन के 80 प्रतिशत से

अधिक निर्णय समय और स्थान (स्थान) महत्वपूर्ण पहलू हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थान आधारित सूचना के प्रबंधन से संबंधित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का अभिसरण उद्योगों और ई-गवर्नेंस को बदल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मानचित्र डेटा और स्मार्ट शहरों, गांवों की मैपिंग आदि जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्त पोषण के संबंध में अनुकूल नीति के माध्यम से जीआईएस की तैनाती को प्रोत्साहित कर रही है। प्रो राव ने कहा की मुझे खुशी है कि हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा प्रस्तुत जीआईएस खनन आदि में जीआईएस से संबंधित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए। राजेश माथुर ने कहा, जीआईएस कहा का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है। एआई, ऑगमेंटेड रियलिटी, आईओटी आदि जैसी विलय प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का एकीकरण स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, बुद्धिमान परिवहन आदि जैसे अनुप्रयोगों में स्थितियों की वास्तविक समय ट्रैकिंग, निगरानी और विश्लेषण को सक्षम बनाता है और त्वरित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है।

जीआइएस करियर का अवसर उपलब्ध करा रहा है : माथुर

रांची. इएसआरआइ इंडिया टेक्नोलॉजी के वरिष्ठ निदेशक राजेश सी माथुर ने कहा कि जीआइएस के प्रयोग मुख्य रूप से स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, परिवहन आदि में वास्तविक समय ट्रैकिंग, निगरानी में हो रहे हैं. इसके आधार पर ही अब व्यक्ति तत्काल निर्णय लेने में भी सक्षम हो रहे हैं. वर्तमान परिदृश्य में जीआइएस बाजार तेजी से बढ़ रहा है. श्री माथुर सोमवार को इक्फाइ विवि में जीआइएस टेक्नोलॉजी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन : करियर के अवसर पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बोल रहे थे. मौके पर कुलपति प्रो ओआरएस राव मौजूद थे.

प्रभात खबर Tue, 22 | https://

Morning India
Ranchi,Tuesday
February 22, 2022

Industry Expert talk on 'Digital Transformation through GIS Technology' held at ICFAI University

LTB लोकतंत्र भारत राज्य रांची, मंगलवार 22 फरवरी 2022 04

इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

लोकतंत्र भारत संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में ₹जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तनः कैरियर के अवसर₹ पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। इस आयोजन में वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ, श्री राजेश सी माथुर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में पूरे भारत से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और

कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, ₹व्यक्तिगत जीवन या संगठनों में दिन-प्रतिदिन के 80% से अधिक निर्णय समय और स्थान (स्थान) महत्वपूर्ण पहलू हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थान आधारित सूचना के प्रबंधन से संबंधित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का अभिसरण उद्योगों और ई-गवर्नेंस को बदल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मानचित्र डेटा और स्मार्ट शहरों, गांवों की मैपिंग आदि जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्त पोषण के संबंध में अनुकूल नीति के माध्यम से जीआईएस की तैनाती को प्रोत्साहित कर रही है। प्रो राव ने कहा की मुझे खुशी है कि हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा प्रस्तुत जीआईएस खनन आदि में जीआईएस से संबंधित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, श्री राजेश माथुर ने कहा, जीआईएस कहां का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है।

इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन : कॅरियर के अवसर पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। इस आयोजन में वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ राजेश सी माथुर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में पूरे भारत से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन या संगठनों में दिन-प्रतिदिन के 80% से अधिक निर्णय समय और स्थान (स्थान) महत्वपूर्ण पहलू हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थान आधारित सूचना के प्रबंधन से संबंधित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का अभिसरण उद्योगों और ई-गवर्नेंस को बदल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मानचित्र डेटा और स्मार्ट शहरों, गांवों की मैपिंग आदि जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्त पोषण के संबंध में अनुकूल नीति के माध्यम से जीआईएस की तैनाती को प्रोत्साहित कर रही है। प्रो राव ने कहा की मुझे खुशी है कि हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा प्रस्तुत जीआईएस खनन आदि में जीआईएस से संबंधित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राजेश माथुर ने कहा कि जीआईएस कहां का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है। एआई, ऑगमेंटेड रियलिटी, आईओटी आदि जैसी विलय प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का एकीकरण स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, बुद्धिमान परिवहन आदि जैसे अनुप्रयोगों में स्थितियों की वास्तविक समय ट्रैकिंग, निगरानी और विश्लेषण को सक्षम बनाता है और त्वरित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है। जीआईएस ने रोकथाम क्षेत्रों का निर्धारण, दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, चिकित्सा देखभाल सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी आदि जैसे क्षेत्रों में कोविड -19 महामारी के प्रबंधन में भी मदद की है। श्री माथुर ने कहा कि जीआईएस बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे सरकार के साथ-साथ कॉरपोरेट्स में स्नातक छात्रों को उत्कृष्ट करियर के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने जीआईएस में अपने करियर की यात्रा साझा की। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुब्रत कुमार डे ने किया। प्रो. अरविन्द कुमार, कुलसचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सन्मार्ग रांची, मंगलवार, 22 फरवरी 2022 www.live7tv.com 04

इक्फाई विवि में डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन कैरियर के अवसर पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन या संगठनों में दिन-प्रतिदिन के 80 फीसदी से अधिक निर्णय समय और स्थान (स्थान) अहम पहलू है। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थान आधारित सूचना के प्रबंधन से संबंधित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का अभिसरण उद्योगों और ई-गवर्नेंस को बदल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मानचित्र डेटा और स्मार्ट शहरों, गांवों की मैपिंग आदि जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्त पोषण के संबंध में अनुकूल नीति के माध्यम से जीआईएस की तैनाती को प्रोत्साहित कर रही है। प्रो राव ने कहा की मुझे खुशी है कि हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा पेश जीआईएस खनन आदि में जीआईएस से संबंधित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। राजेश माथुर ने कहा कि जीआईएस कहां का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है। मौके पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने जीआईएस में अपने करियर की यात्रा साझा की। मौके पर वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ राजेश सी माथुर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में पूरे भारत से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुब्रत कुमार डे, धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो अरविंद कुमार ने किया।